१३.३.६० ५०० रु. ३०००

स्टाम्प ड्यूटी रुपये २२५०-००	रानीपुरा गली नंबर २ यहां पर म्यु. पा. नंबर २६ का मकान, बाजार मूल्य रुपये ३००००)
कारपोरेशन ड्यूटी रुपये ६००-००	
पंचायत ड्यूटी रुपये १५०-००	
रुपये ३०००-००	

श्री

मकान का विक्रीखत कीमत रुपये ३००००)

५०००) रुपये पांच हजार बयाने पेटे लिये। हाथेइ नं. १६८३२३ / १९-३-६०

२५०००) रुपये पच्चीस हजार आज रोज श्रीमान सब रजिस्ट्रार महोदय, इन्दौर इनोके सामने लिये। मोहम्मद हुसैन अब्दुल रहमान

३००००)

मकान का विक्रीखत रुपये देकर लिखवा लेने वाले श्री. नासिरहुसैन आयु १६ वर्ष पिता अब्दुल सत्तार अवयस्क वास्ते संरक्षक अब्दुल सत्तार पिता हाजी मोहम्मद साहब निवासी १०, हाथीपाला रोड इन्दौर (जिन्होंको इस लेख मे आगे क्रेता के नाम से सम्बोधित किया गया है) इनोसे रुपये लेकर मकान का विक्रीखत लिख देने वाले मोहम्मद हुसैन पिता श्री. हाजी घीसाजी व २- अब्दुल रहमान पिता श्री. हाजी घीसाजी निवासी २४, मल्हार गंज, इन्दौर (जिन्होको इस लेख मे आगे विक्रेतागण के नाम से सम्बोधित किया गया है) हम विक्रेता आप क्रेता

Purchaser

seller

शेष पृष्ठ २ पर

मोहम्मद हुसैन
अब्दुल रहमान

PANEL VALUER

उप पंजीयक
जिला-इन्दौर

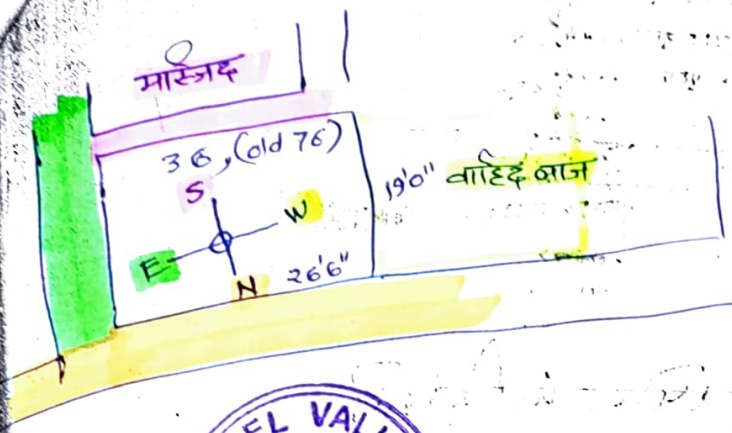

PANEL VALUER
94259-85259
98272-51059
M. P. & C. G.
Er. VIJAY JAIN B.E

(२)

के होते मैं यह विक्रीपत्र लिख देते है कि :-

(१) हम विक्रेतागण ने रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र क्रमांक [illegible] ११०४१ १९४१ के द्वारा खरीद किया हुआ हमारे स्वामित्व एवं आधि-पत्य का मकान शहर इन्दौर के रानीपुरा गली नम्बर ३ यहां पर म्यु पा. जुना नम्बर ७६ जिसी पूर्व तरफ का भाग व फिलहाल बना हुआ म्यु पा. नम्बर ३६ रानीपुरा गली नम्बर ३ (तीन) का है। सदर मकान एक मंजली बना होकर मकान पर छतें बनी है। इस मकान की उत्तर दक्षिण लम्बाई फीट १९ उन्नीस है व पूर्व पश्चिम चौड़ाई फीट २६-६ इंच (छब्बिस फीट छेः इंच) है। सदर मकान का साईट प्लान साथ मे पेश किया है, जिसमे विक्री किया हुआ मकान लाल रेखाओ से घिरा हुआ बतलाया है। यह साईट प्लान इसी विक्रय-पत्र का अंग माना जावेगा। सदर मकान श्री [illegible] जमींदार [illegible] की जमीन पर [illegible] सदर मकान मे वाटर वाईस कनेक्शन लिया [illegible] हुआ है। सदर [illegible] हुआ चालु हालत मे इसी मकान के मालकी का होकर विक्री मे शामिल है। सदर मकान [illegible] बना होकर मकान की निकास उत्तर व पूर्व दोनो तरफ से है। नेवती का बरसाती पानी [illegible] तरफ गिरता है व जाता है। दक्षिण तरफ की दिवाल बनी है, वह इसी मकान की है।

शेष पृष्ठ ३ पर

मालकी का है । इस मकान की चतु:सीमा निम्नानुसार है :-

पूर्व को	:- रोड 10' पतली गली
पश्चिम को	:- वाहीद लाल
दक्षिण को	:- मस्जीद का मकान 3' पतली गली फिर मस्जिद
उत्तर को	:- सरकारी सडक

Checked BY Panel Valuer
VIJAY JAIN

PANEL VALUER
94259-85259
98272-51059
M. P. & C. G
Er. VIJAY JAIN B.E.

(२) यह कि ऊपर लिखे मुजब चतु:सीमा के बीच का मकान सब कच्चा व खुल्ला आगे से पिछे तक व ऊपर से निचे तक मय निचे की तलजमीन के बीज लाईट व वाटर पाईप कनेक्शन सहित हमने आपको कीमत रुपये ३००००) तीस हजार मे बिक्री कर दिया है । बिक्री किये हुवे -- मकान की कीमत के चुकते रुपये ३००००) तीस हजार हम आपसे ऊपर लिखे अनुसार लेकर भरपाये है । अब शेष ऐसा कुछ भी आपकी तरफ किसी मोवादले बाकी रहा नहीं ।

(३) यह कि ऊपर लिखा हुवा सब मकान आज रोज हमने आपके कब्जे मे दे दिया है ।

शेष पृष्ट ४ पर

[illegible]
अब्दुलरहमान

इन्दौर (म.प्र.)

(४) यह कि सदर मकान हमने आपको बिक्री कर दी है इसकी मालकी के जो भी हक हम को थे, वह सब हक रद्द होकर आपको इस बिक्रीपत्र के द्वारा मकान की मालकी के पूर्ण हक प्राप्त हो गये है । अब आपने इस मकान पर मालकी करके उसका उपयोग व उपभोग आपकी इच्छानुसार हमेशा लेते जाना ।

(५) यह कि सदर मकान के मालकी बाबद कोई भी वारिस या हकदार खड़ा होकर आपसे दावा झगड़ा करेगा या आपके कब्जे मे किसी प्रकार की दखल करेगा तो उसका सब हम हमारे पर स्वतः खर्चे से सलटावेंगे । आपको किसी प्रकार का खर्चा या नुकसानी लगने देवेंगे नही ।

(६) यह कि सदर मकान का म्यु. पा. का टैक्स, सम्पत्ति कर, पानी का बिल, बिजली का बाकियात आदि सब आज तक का हम देवेंगे । आगे के लिये आपने देते जाना और आपका नाम म्यु. पा. मे, सम्पत्ति कर विभाग मे, व श्री. जमीदार सा. के यहा दाखल करवा लेना । आपका नामांतरण होने मे हमारी सही की या बयान की जो भी मदद लगेगी, वह हम आपको अवश्य देवेंगे ।

शेष पृष्ठ ५ पर

(३) यह कि सदर मकान हमने आपके सिवाय दीगर शख्स किसी को विक्रय किया हुआ नहीं है और ना कोई को दान या वसियत मे दिया है। सदर मकान पर किसी का डिक्री, चार्ज, मेन्टेनन्स, कोर्ट का या सरकार का तथा अन्य किसी भी प्रकार का हक, प्रबंध या बोझा नहीं है और ना ही सदर मकान को किसी को मेहर, विरसा, वसियत वगैरा मे दिया है। सदर मकान हमारे मालकी का होकर विक्री करने का हम को पूर्ण अधिकार है।

(४) यह कि इस मकान के मालकी बाबद रजि. मोद नम्बर [illegible] का विक्रय-पत्र व उसके साथ मिले हुये कागजातमने आपको दे दिये है।

(५) यह कि विक्रेता व क्रेता ने दी अरबन लैण्ड (सिलींग एण्ड रेग्यूलेशन) एक्ट सन १९७६ के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन किया नहीं है।

शेष पृष्ठ ६ पर

मोहम्मद हुसैन
आबलरहुसैनी

उप पंजीयक
जिला-इन्दौर

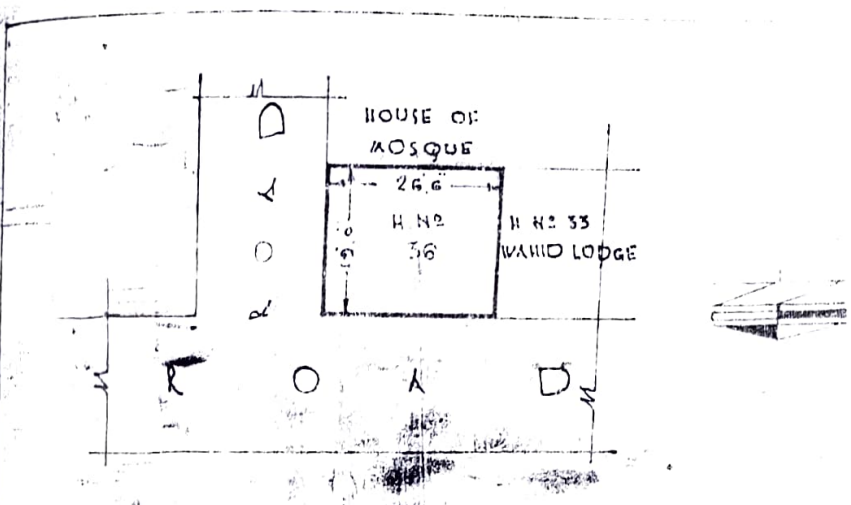

SITE PLAN OF HOUSE No. 36 RANI PURA STREET No 3 INDORE
BELONGING TO SHRI MOHD HUSAIN & ABDUL REHMAN [illegible]
HAJI GHISA JI.

NOTES:- AREA OF H.No 36 SHOWN IN RED. (503.50 [illegible]

SCALE 1: 20.0

SIG. OF OWNER

Architectural [illegible]
Supervisor [illegible]
[illegible] Bazar [illegible] Road [illegible]

PANEL VALUER
94259-85259
98272-51059
M. P. & C. G.
Er. VIJAY JAIN B.E.

8
4713

पंजीयक
इन्दौर (म.प्र.)
31 JUL 1997

500Rs

NON JUDICIAL

भारत

सत्यमेव जयते

Rs 500

रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

रसीद दस्तावेज वगैरह

मुकाम 8/4/13 83

दस्तावेज की तफसीलवारी व कीमत या दस्तखत की तारीख या किस्म जो मुहरबंद लिफाफा लिया गया हो जिसके बाबत फीस दाखिल हुई हो इसके ऊपर लिखी हुई इबारत	तादाद फीस (अगर हो तो) दाखल गुदा	रजिस्ट्री के ओहदेदार के छोटे दस्तखत
2	3	4

उप पंजीयक

इन्दौर (स. उप पंजीयक)

स्टाम्प ड्युटी रुपये २२५०-००

कारपो. ड्युटी रुपये ६००-००

पंचायत ड्युटी रुपये १५०-००

रुपये ३०००-००

रानीपुरा गली नंबर ३ यहां पर म्यु. पा. नंबर ३६ का मकान, बाजार मूल्य रुपये ३००००)

उपरोक्त लेख की नकल पेश की वह रजु की गई

श्री

मकान का बिक्रीखत कीमत रुपये ३००००)

५०००) रुपये पांच हजार ब्याने पेटे लिये।

२५०००) रुपये पचीस हजार आज रोज श्रीमान सब रजिस्ट्रार महोदय, इन्दौर इनोके सामने लिये।

३००००)

मकान का बिक्रीखत रुपये देकर लिखवा लेने वाले श्री. नासिरहुसैन आयु १६ वर्ष पिता अब्दुल सत्तार अवयस्क तरफे संरक्षक अब्दुल सत्तार पिता हाजी मोहम्मद साहब निवासी १०, हाथीपाला रोड इन्दौर (जिन्होको इस लेख मे आगे केता के नाम से सम्बोधित किया गया है) इनोसे रुपये लेकर मकान का बिक्रीखत लिख देने वाले मोहम्मद हुसैन पिता श्री. हाजी घीसाजी व २- अब्दुल रहमान पिता श्री. हाजी घीसाजी निवासी ३४, चम्पा बाग, इन्दौर (जिन्होको इस लेख मे आगे विक्रेतागण के नाम से सम्बोधित किया गया है) हम विक्रेता आप केता

उपरोक्त लेख की नकल पेश की वह रजु की गई

शेष पृष्ट २ पर

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

के हीत मे यह विक्रिखत लिख देते है कि :-

(१) हम विक्रेतागण ने रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र क्रमांक १३।११०८।१९५३। के द्वारा खरीद किया हुवा हमारे स्वामित्व एवं आधिपत्य का मकान शहर इन्दौर के रानीपुरा गली नंबर ३ यहां पर म्यु. पा. जुना नंबर ७८ फैकी पूर्व तरफ का भाग व फिलहाल लगा हुवा म्यु. पा. नंबर ३६ रानीपुरा गली नंबर ३ (तीन) का है। सदर मकान एक मंजली बना होकर मकान पर चद्दरे लगी है। इस मकान की उत्तर दक्षिण लम्बाई फीट १९ गुन्नीस है व पूर्व पश्चिम चौडाई फीट २६-६ इंचे (छबिस फीट छे इंच) है। सदर मकान का साईट प्लान साथ मे पेश किया है, जिसमे विक्री किया हुवा मकान लाल रेखाओ से घिरा हुवा बतलाया है। यह साईट प्लान इसी विक्रय-पत्र का अंग माना जावेगा। सदर मकान श्री रंगराव जमींदार सा. की जमीन पर सालियाने से बना हुवा है। सदर मकान मे वाटर पाईप कनेक्शन लिया हुवा चालू हालत मे इसी मकान के मालकी का होकर विक्री मे शामिल है। सदर मकान उत्तर मुखी बना होकर मकान का निकास उत्तर व पूर्व दोनो तरफ से है। नेवती का बरसाती पानी ~~दक्षिण~~ उत्तर तरफ गिरता है व जाता है। दक्षिण तरफ जो दिवाल बनी है, वह इसी मकान के

शेष पृष्ठ ३ पर

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

मालकी की है । इस मकान की चतु:सीमा निम्नानुसार है :-

पूर्व को :- रोड

पश्चिम को :- वाहीद लाल

दक्षिण को :- मस्जीद का मकान

उत्तर को :- सरकारी सडक

---

(२) यह कि ऊपर लिखे मुजब चतु:सीमा के बीच का मकान सब बन्धा व खुला आगे से पिछे तक व ऊपर से निचे तक मय निचे की तलजमीन के लीज राईट व वाटर पाईप कनेक्शन सहित हमने आपको कीमत रुपये ३००००) तीस हजार मे विक्री कर दिया है । विक्री किये हुवे -- मकान की कीमत के कुते रुपये ३००००) तीस हजार हम आपसे ऊपर लिखे अनुसार लेकर भर पाये है । अब शेष लेना कुछ भी आपकी तरफ विक्री मोबादले बाब्द रहा नही ।

(३) यह कि ऊपर लिखा हुवा सब मकान आज रोज हमने आपके कब्जे मे दे दिया है ।

.. शेष पृष्ट ४ पर

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

(४) यह कि सदर मकान हमने आपको विक्री कर देने से इसके मालकी के जो जो हक्क हम को थे, वह सब हक्क रद्द होकर आपको इस विक्रीखत के द्वारा मकान के मालकी के पुर्ण हक्क प्राप्त हो गये है। अब आपने इस मकान पर मालकी करके उसका उपयोग व उपभोग आपकी इच्छानुसार हमेशा लेते जाना।

(५) यह कि सदर मकान के मालकी बाबद कोई भी वारिस या हक्कदार खडा होकर आपसे दावा झगडा करेगा या आपके कब्जे मे किसी प्रकार की हरकत लावेगा तो उसका मन हम हमारे घर घराऊ खर्चे से मनावेंगे। आपको किसी प्रकार का खर्चा या नुकसानी लगने देवेंगे नही।

(६) यह कि सदर मकान का म्यु.पा. का टेक्स, सम्पत्ति कर, पानी का बिल, तलजमीन का सालियाना आदि सब आज तक का हम देवेंगे। आगे के लिये आपने देते जाना और आपका नाम म्यु.पा. मे, सम्पत्ति कर विभाग मे, व श्री. जमींदार सा. के यहां दाखल करवा लेना। आपका नामांतरण होने मे हमारे सही की या बयान की जो भी मदद लगेगा, वह हम आपको अवश्य देवेंगे।

शेष पृष्ठ ५ पर

500Rs.

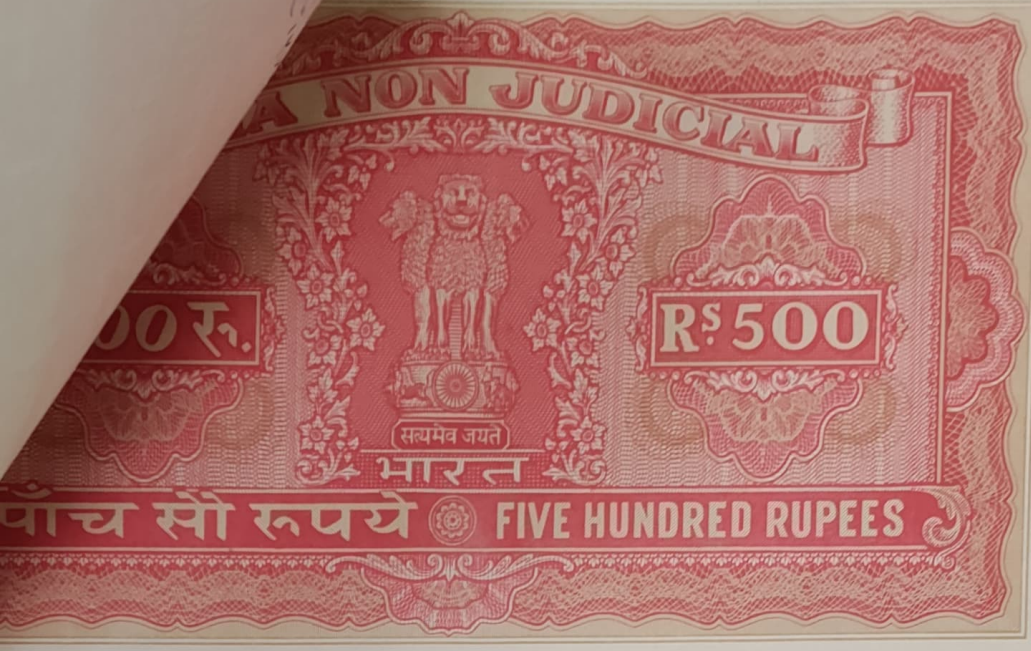

INDIA NON JUDICIAL

रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रूपये FIVE HUNDRED RUPEES

(७) यह कि सदर मकान हमने आपके सिवाय दीगर जगह गिरवी या बिक्री किया हुवा नहीं है और ना कोई को दान या बक्षिस मे दिया है। सदर मकान पर किसी का डिक्री, चार्ज, मेन्टेनन्स, कर्ज का या जमानत का तथा अन्य किसी भी प्रकार का हक, संबंध या बोझा नही है और ना ही सदर मकान किसी को मेहर, विरसा, वसियत वगैरा मे दिया है। सदर मकान हमारे मालकी का होकर बिक्री करने का हम को पुर्ण अधिकार है।

(८) यह कि इस मकान के मालकी बाबद रजि. नोंद नंबर १।११०८।१९५३। का विक्रय-पत्र व उसके साथ मिले हुवे कागजातहमने आपको दे दिये है।

(९) यह कि विक्रेता व क्रेता ने दी अरबन लैन्ड (सिलींग एन्ड रेग्यूलेशन) एक्ट सन १९७६ के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन किया नही है।

शेष पृष्ठ ६ पर

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. सत्यमेव जयते भारत Rs 500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

(६)

यह मकान का विक्रीखत हमने हमारी राजी खुशी से होशहवास मे लिख दिया कि प्रमाण रहे और आवश्यकता पडने पर काम मे आवे ।

इन्दौर, इति दिनांक १९-३-१९८० दस्तु हनुमान राघवी. ए.

सही विक्रेतागण

साक्षी :-

१. समसुद्दीन 33 चंपाबाग

मोहम्मद हुसैन

२. Abdul Sattar

अब्दुल रहमान

8 3632 3Rs

INDIA
तीन रुपये
सत्यमेव जयते
THREE RUPEES भारत THREE RUPEES

उपरोक्त लेख की नकल पेश की गई S.P. प्रधान 25/7/80
प्रतिलिपि कार्यालय

श्री

संशोधन- पत्र

49 10/5 15

संशोधन पत्र लिखवालेने वाले श्री. नासीरहुसेन आयु १६ वर्ष पिता अब्दुल सत्तार अवयस्क तरफे संरक्षक अब्दुल सत्तार पिता हाजी मोहम्मद साहब निवासी १० हाथीपाला रोड इन्दौर, इनको यह संशोधन पत्र लिख देने वाले श्री. मोहम्मद हुसैन पिता हाजी घीसाजी व अब्दुल रहमान पिता हाजी घीसाजी निवासी २४ चंपाबाग इन्दौर, संशोधन पत्र लिख देते है कि ।

हमारे मालकी और कब्जे का मकान शहर इन्दौर के दौलतगंज मेनरोड यहा पर म्यु. पा नम्बर ३६ का है। सदर मकान हमने आपको दस्तावेज रजि नो. नम्बर १, १९८१, १९८०, के द्वारा किमत रुपये ३००००) तीस हजार मे विक्री कर दिया है जो कि विक्री कर श्रीमान सब रजिस्ट्रार महोदय इन्दौर इन्होके कार्यालय मे ग्रंथ क्रमांक ५३९३ के पृष्ठ क्रमांक 248/31 से तक दिनांक १९-३-८० को नोन किया गया है। उस विक्रीखत मे विक्री किये हुवे मकान के मोहल्ले का नाम रानीपुरा गली नम्बर ३ लिखा गया है। म्युनसीपाल्टी का यह मोहल्ले का नाम जुना है। व फीलहाल सदर मकान दौलतगंज मेनरोड मकान नम्बर ३६ है। रजिस्ट्रर नोन नम्बर १, १२८१, ८०, के दस्तावेज मे रानीपुरा गली नम्बर ३ मकान नम्बर ३६ लिखा गया है। उसके बजाय दौलत गंज मेनरोड मकान नम्बर ३६ यह माना जावे। व उस बाबद यह संशोधन पत्र आपको लिख दिया है।

मकान की लम्बाइ चौडाइ व चतुःसीमा मे कोइ फरक नही है।

मकान का वर्णन व चतुःसीमा -:

मकान शहर इन्दौर के रानीपुरा गली नम्बर ३ यहां पर म्यु. पा नम्बर ३६ जुना व फीलहाल लगा हुवा म्यु. पा नम्बर ३६ दौलतगंज मेनरोड का एक मजली बना होकर मकान पर चद्दरे लगी हुइ है। इस मकान की उत्तर दक्षीण लम्बाइ फुट १९ है। व पुर्व पश्चीम चौडाइ २६-६ (छेब्बीस फुट छे इंच) है। इस मकान की चतुःसीमा निचे लिखे मुजब है।

उपरोक्त लेख की नकल पेश की
बद रजू की गई

पुर्व को -: रोड

पश्चीम को -: वाहीद लाज

दक्षीण को-: मस्जीद का मकान।

उत्तर को -: सरकारी सडक

INDIA

दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

2 R$

-२-

ऊपर लिखे मुताबीक चतु:सीमाके बीच का मकान हमने आपको दस्तावेज रजि. नो. नम्बर १, १२८१, १९८०, के जये बिक्री कर दिया है।

यह संशोधन पत्र हमने हमारी राजी खुशी से होश हवास मे नशा पानी न करते लिख दिया सो सही।

इति दिनांक-: ९-८-१९८० दस्तुर हनुमंत राव पी.व.

साक्ष

१. ---------------

२. ---------------

सही

----

१ ह. सी. ... हनुमंत मार्तंड मुसारी

२ ...

३ ...

...

४ ...

५ ...

६ ...

... के हस्ताक्षर.